गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्र विजय स्तम्भ का भ्रमण करते हुए।

# ईमानदारी और सादगी कठिन परिश्रम : राणा

## राष्ट्रीय एकता शिविर का तीसरा दिन रहा दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु के नाम

गंगरार। ईमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है इसे बनाये रखिए। समाज को सही सन्देश वही दे सकता है जो खुद बेदाग हो, इसलिये भ्रष्टाचार और बुराईयों से बचे रहिये। यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एस. राणा ने राष्ट्रीय एकता शिविर को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक दूसरे सांस्कृतिक विरासत को समझने से हम अधिक तन्मयता से एकीकृत होते है। एक-दूसरे से संवाद कर हम और गहराई से जुड़ते है। राष्ट्रीय एकता का भाव हम में प्रखर होता है। स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। संचालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोनिका हंस और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शम्भू नाथ मनहास ने ज्ञापित किया। शिविर के तीसरे दिन सभी एनएसएस वालन्टियर्स को चित्तौड़गढ़ किले का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर शिविर समन्वयक डॉ. ज्योति सिंह राघव, सह समन्वयक बीएल पाल, सहायक समन्वयक डॉ. सोनिया सिंगला, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रविन्द्र वर्मा, अंकित नवलखा, सूरज कुम्हार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव सिंह राठौर मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस वालन्टियर्स ने दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। संचालन प्रो. शम्भूनाथ ने किया।

Dainik Navajyoti 25-05-2022

# समाज को वही सही संदेश दे सकता है जो खुद बेदाग हो: प्रो. राणा

## मेवाड़ यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय एकता शिविर

गंगरार, 24 मई (जस.)। ईमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है, इसे बनाये रखिये। समाज को सही सन्देश वही दे सकता है जो खुद बेदाग हो, इसलिये भ्रष्टाचार और बुराइयों से बचे रहिये।

उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन प्रथम सत्र में देशभर एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) केएस राणा ने कही। उन्होंने कहा कि एक दूसरे सांस्कृतिक विरासत को समझने से हम अधिक तन्मयता से एकीकृत होते हैं। एक-दूसरे से संवाद कर हम और गहराई से जुड़ते हैं। राष्ट्रीय एकता का भाव हम में प्रखर होता है, यही इस राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के हर राज्य में ऐसे महान व्यक्तित्व रहे है जिन्होंने राष्ट्र को एक सूत्र में बांधे रखा। उम्मीद है आप सब भी यहां से एकता और भाईचारे का सन्देश लेकर जायेंगे। परिचय एवं स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोनिका रुप और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शम्भूनाथ मनहास ने किया।

शिविर के तीसरे दिन सभी एनएसएस वालन्टियर्स को चित्तौड़गढ़ किले का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर की समन्वयक डॉ. ज्योति सिंह राघव, सह समन्वयक बीएल पाल, सहायक समन्वयक डॉ. सोनिया सिंगला, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रविन्द्र वर्मा, अंकित नवलखा, सूरज कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव सिंह राठौर, विद्धुनाबिलिपू वालन्टियर्स की सहायता के लिये मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस वालन्टियर्स ने दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

Jannayak 25-05-2022

# समाज को वही सही सन्देश दे सकता है जो खुद बेदाग हो : प्रो. राणा

दुर्ग भ्रमण पर पहुंचे एनएसएस वोलेंटियर्स। फोटो : पीयूष

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। ईमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है इसे बनाये रखिये। समाज को सही सन्देश वही दे सकता है जो खुद बेदाग हो; इसलिये भ्रष्टाचार और बुराईयों से बचे रहिये। उक्त बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन प्रथम सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. के.एस. राणा ने कही। परिचय एवं स्वागत भाषण कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। संचालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोनिका हंस और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो शम्भू नाथ मनहास ने किया। एनएसएस वालन्टियर्स को दुर्ग का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर की समन्वयक डॉ ज्योति सिंह राघव, सह समन्वयक बीएल पाल, सहायक समन्वयक डॉ. सोनिया सिंगला, डॉ सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रविन्द्र वर्मा, अंकित नवलखा, सूरज कुम्हार, अनुभव सिंह राठौर वालन्टियर्स की सहायता के लिये मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस वालन्टियर्स ने खेलकूद गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन प्रो. शम्भूनाथ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अन्नाल एलिल सिल्वी ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ।

Pratahkal 25-05-2022

# समाज को वही सही सन्देश दे सकता है जो खुद बेदाग हो

## राष्ट्रीय एकता शिविर

चित्तौड़गढ़. ईमानदारी और सादगी बहुत कठिन परिश्रम है इसे बनाये रखिये। समाज को सही सन्देश वही दे सकता है जो खुद बेदाग हो, इसलिए भ्रष्टाचार और बुराइयों से बचे रहिये। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन प्रथम सत्र में देशभर एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.एस. राणा ने कही। उन्होंने आगे कहा कि एक दूसरे सांस्कृतिक विरासत को समझने से हम अधिक तन्मयता से एकीकृत होते हैं। एक-दूसरे से संवाद कर हम और गहराई से जुड़ते हैं। राष्ट्रीय एकता का भाव हम में प्रखर होता है। यही इस राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के हर राज्य में ऐसे महान व्यक्तित्व रहे हैं जिन्होंने राष्ट्र को एक सूत्र में बांधे रखा। उम्मीद है आप सब भी यहां से एकता और भाईचारे का सन्देश लेकर जाएंगे। परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। संचालन जम्मू के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोनिका हंस और धन्यवाद ज्ञापन जम्मू के ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शम्भू नाथ मन्हास ने किया। शिविर के तीसरे दिन सभी एनएसएस वालन्टियर्स को चित्तौड़गढ़ किले का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शिविर की समन्वयक डॉ. ज्योति सिंह राघव, सह समन्वयक बीएल पाल, सहायक समन्वयक डॉ. सोनिया सिंगला, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, गौतम सिंह धाकड़, राज सिंह, रविन्द्र वर्मा, अंकित नवलखा, सूरज कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुभव सिंह राठौर, मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा के एनएसएस वालन्टियर्स ने दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धन्यवाद ज्ञापन अभास एलिज्ञ सिल्वी ने किया।

Rajasthan Patrika 25-05-2022